कर्सिव राईटिंग वर्कबुक एवं पेंसिल वितरण योजना

(छत्तीसगढ़ राज्य के 16 जिलों के 85 आदिवासी विकासखंडो के शाासकीय एवं अनुदान प्राप्त शालाओं के कक्षा तीसरी में अध्ययनरत समस्त विद्यार्थियों के लिए)

कर्सिव राइटिंग अभ्यास पुस्तिका के उपयोग हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश

इस कर्सिव लेखन पुस्तिका में लेखन के लिये स्वाभाविक क्रम अपनाया गया है। इसमें अभ्यास का प्रारंभ मूल स्ट्रोक्स एवं कर्वज़ से होते हुए वाक्य समूह पर खत्म होता है। चूंकि यह अभ्यास पुस्तिका कक्षा तीसरी के विद्यार्थियों के लिए बनाई गई है एवं इस स्तर के विद्यार्थियों को पूर्व कक्षाओं में अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा के लेखन का अच्छा अभ्यास होता है अतः वे शिक्षक के मार्गदर्शन में अंग्रेजी कर्सिव राईटिंग आसानी से सीख पायेंगे।

इस पुस्तिका का उद्देश्य विद्यार्थियों के हस्तलेखन मे सुधार लाना है। अतः शिक्षकों को दिये गये आवश्यक निर्देशों के अनुसार कार्य करने की सलाह दी जाती है ताकि बेहतर परिणाम प्राप्त हो सके।

निर्देश :–

1. प्रांरभिक स्तर पर लेखन के क्रम में स्ट्रोक्स एवं कर्वज़ अहम भूमिका निभाते हैं। इसलिए कर्सिव राईटिंग अभ्यास पुस्तिका के पृष्ठ क्र. 3 एवं 4 पर दिये गये कर्व एवं स्ट्रोक्स का पर्याप्त अभ्यास करवायें।
2. कर्व एवं स्ट्रोक्स के पर्याप्त अभ्यास के बाद अगले क्रम में अंग्रेजी अल्फाबेट के प्रत्येक कैपिटल एवं स्मॉल लेटर्ज़ का क्रमशः अभ्यास करवायें। अभ्यास हेतु डार्क शेडेड लेटर्ज़ के बाद दिये गये लाईट शेडेड लेटर्ज़ पर बच्चों से पेंसिल चलाने का अभ्यास करवायें तत्पश्चात स्वतंत्र रूप से विद्यार्थियों को स्वयं लिखने हेतु कहें।
3. प्रत्येक अक्षर के अभ्यास पश्चात विद्यार्थियों की अभ्यास पुस्तिका की जांच करें एवं आवश्यक सुधार हेतु निर्देश देवे।
4. अंग्रेजी वर्णमाला के प्रत्येक अक्षर के अभ्यास पश्चात् दो अक्षर वाले शब्दों का अभ्यास करवायें। विद्यार्थी लाईट शेडेड लेटर्ज़ पर पेंसिल चलाने का अभ्यास करेंगे। इस अभ्यास के दौरान उन्हें यह समझायें कि दो कर्सिव लेटर्स किस तरह आपस में जुड़ते चले जाते हैं।
5. इसी तरह का अभ्यास क्रमशः तीन अक्षर वाले शब्दों से लेकर छः अथवा छः से अधिक अक्षर वाले शब्दों के लिए अपनायें। इस दौरान शिक्षक विद्यार्थियों के लेखन का सतत् अवलोकन एवं मार्गदर्शन करते रहें एवं सुनिश्चित करें कि विद्यार्थी शब्दों का लेखन बिना पेंसिल उठाये कर रहे हैं। ध्यान रहे कि प्रांरभिक दौर में विद्यार्थी पर शीघ्रता से लिखने का दबाव न बनायें। उन्हें अपनी गति से लिखने देंवे।
6. इसी तरह एकल शब्द से शब्द समूह एवं तत्पश्चात एकल पंक्ति से वाक्य समूह के लेखन का अभ्यास करवायें।
7. अभ्यास पुस्तिका में दिये अभ्यासों के पूर्ण होने पर यह क्रम यहीं नहीं रूकना चाहिए वरण शिक्षक पाठ्यपुस्तक में दिये गये शब्द, शब्द समूह, वाक्य एवं वाक्य समूह का अभ्यास चार पंक्ति वाली नोटबुक में समानांतर करवाते रहें। इस हेतु विद्यार्थियों को निरंतर प्रेरित करें।
8. यदि संभव हो तो इन वेबसाइटस् पर अवष्य जायें :
   http://www.kidzone.ws/cursive/a.html
   http://www.k5learning.com/cursive-writing-worksheets/cursive-alphabet
   http://www.deepawali.co.in/handwriting-improvement-tips-hindi html

नोट :– अतिरिक्त मार्गदर्शन हेतु ई.एल.टी.आई. प्रकोष्ठ, एस.सी.ई.आर.टी., रायपुर से संपर्क करें।